भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1235
उत्तर देने की तारीख: 25.07.2022

एकसमान पाठ्यक्रम

†1235. श्री कोडिकुन्नील सुरेश:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को उन विभिन्न रिपोर्टों के बारे में पता है जो यह दर्शाती हैं कि कर्नाटक राज्य सरकार ने 10वीं कक्षा की विद्यालयी पाठ्य पुस्तकों से स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह से संबंधित एक अध्याय से हटा दिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का पाठ्यपुस्तकों में स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्रीय आंदोलन के महत्वपूर्ण आंकड़ों को शामिल करने के लिए एक एकीकृत पाठ्यक्रम ढांचे की अवधारणा पर विचार करने का आशय है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने इसे विभिन्न राज्य सरकारों के विचारार्थ प्रस्तावित किया है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस पर राज्य सरकारों की प्रतिक्रिया क्या है;

(ङ) क्या सरकार को शिक्षा जगत से सुझाव प्राप्त हुए हैं कि इसमें विभिन्न क्षेत्रों के युवा या 50 से कम उम्र में उपलब्धि प्राप्तकर्ताओं और वैज्ञानिकों और कार्यकर्ताओं को शामिल करने पर विचार किया जाए; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस पर क्या कार्रवाई की गई है?

उत्तर
शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अन्नपूर्णा देवी)

(क) कर्नाटक राज्य सरकार ने सूचित किया है कि उन्होंने वर्ष 2022-23 के लिए छठी से दसवीं की सामाजिक विज्ञान और 1 से 10वीं की कन्नड़ भाषा की पाठ्यपुस्तकों को संशोधित किया है। पाठ्यपुस्तकों को संशोधित करते समय स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह से संबंधित अध्याय या अवधारणा को किसी भी कक्षा की पाठ्यपुस्तक से हटाया नहीं गया है। वर्तमान में, कर्नाटक राज्य सरकार की पाठ्यपुस्तकों में 7वीं और 10वीं कक्षाओं में भगत सिंह के बारे में अवधारणाएं हैं।

(ख) भारत सरकार द्वारा जारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के पैरा 4.30 में यह निर्दिष्ट है कि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण (एनसीईआरटी) परिषद द्वारा स्कूल शिक्षा के

लिए एक नया और व्यापक पाठ्यचर्या ढांचा (एनसीएफएससी) तैयार किया जाएगा, जो एनईपी 2020 के सिद्धांतों, फ्रंटलाइन पाठ्यक्रम जरूरतों पर आधारित होगा और सभी हितधारकों से चर्चा के बाद किया जाएगा।

इस नीति में आगे निर्दिष्ट है कि राज्य अपना स्वयं का पाठ्यक्रम(जो यथासंभव एनसीईआरटी द्वारा तैयार किए गए एनसीएफएसई पर आधारित हो सकते हैं) और पाठ्यपुस्तकें तैयार करेंगे (जो यथासंभव एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तक सामग्री पर आधारित हो सकती हैं), जिसमें आवश्यकतानुसार राज्य की विशिष्ट जानकारी और सामग्री शामिल होगी। ऐसा करते समय, यह ध्यान में रखा जाना चाहिए कि एनसीईआरटी पाठ्यक्रम को राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य मानदंड के रूप में लिया जाएगा। इसके अलावा, एनईपी 2020 के सिद्धांतों में से एक 'भारत में मूल और गौरव' है, जिससे भारत के स्वतंत्रता संघर्ष और राष्ट्रीय आंदोलन के महत्वपूर्ण व्यक्तित्वों से संबंधित सामग्री को शामिल किया जा सकता है।

(ग) और (घ) एनसीईआरटी ने समग्र पद्धति का उपयोग करते हुए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या फ्रेमवर्क तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की है, जिसमें राज्य और संघ राज्य क्षेत्र भी अपने निम्नतम स्तरों से प्राप्त इनपुट प्रदान कर रहे हैं। अब तक, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और तेलंगाना को छोड़कर, अन्य सभी राज्य और संघ राज्य क्षेत्र अपने इनपुट प्रदान करने के लिए आगे आए हैं।

(ड.) और (च) अभी तक ऐसा कोई प्रस्ताव/सिफारिश प्राप्त नहीं हुई है।

****